डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 40 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 19 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

देवउठनी एकादशी से गूंजेगी शहनाई

तीन शुभ योग के संयोग में होगी देवोत्थान एकादशी

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सनातन धर्म में देवोत्थान एकादशी अर्थात देवउठनी ग्यारस का विशेष महत्व है। यह दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित होता है। शास्त्रों के अनुसार देवउठनी एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु क्षीर सागर में नींद से जागृत होते हैं। इस दिन से मांगलिक कार्य का भी शुभारंभ होता है। इस वर्ष 23 नवंबर को देवउठनी एकादशी है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार देवउठनी एकादशी पर सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और सिद्धि योग का संयोग बन रहा हैं। इस संयोग में भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामों में सफलता प्राप्त होती है। शुभ योगों का यह संयोग सभी राशियों के लिए लाभदायक होगा।

ज्योतिषाचार्यो के मुताबिक देवउठनी एकादशी पर प्रात:काल 06.50 बजे रवि योग का निर्माण हो रहा है, जो संध्याकाल 05.16 मिनट तक है। ज्योतिष रवि योग को बेहद शुभ मानते हैं। इस योग में जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। जबकि, सिद्धि योग का निर्माण 11.54 बजे से हो रहा है। यह अगले दिन 24 नवंबर को सुबह 09.05 बजे तक है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस योग में शुभ कार्य करने से सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाती है। सिद्धि योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

चांदी में तेजी: चार दिन में बढ़े 1700 रुपए प्रतिकिलो भाव

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चांदी के भाव में लगातार तेजी जारी है। शुक्रवार को चांदी के भाव में 300 रुपए की तेजी आई और भाव 73,800 रुपए प्रतिकिलो पहुंच गए। पिछले चार दिन में चांदी 1700 रुपए प्रतिकिलो तक महंगी हुई है। सराफा व्यापारियों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार भाव बढ रहे हैं। चांदी के भाव में आगे भी तेजी बनी रह सकती है। चांदी के सपोर्ट में सोना भी महंगा हो रहा है। सोने के भाव भी 62 हजार रुपए प्रति दस ग्राम के करीब पहुंच गए है। सराफा से जुड़े सूत्रो की माने तो भारत में लग्नसरा की ग्राहकी बढ़ने से चांदी में तेजी आई है। यह तेजी कुछ दिन बरकरार रह सकती है।

पिछले पांच चुनाव में ऐसा रहा सुवासरा का ट्रेंड...

अस्सी प्रतिशत से ऊपर मतदान में जीते उप चुनाव

72 से 76 प्रश वोटिंग में दो बार भाजपा तो 80 से ऊपर वोटिंग रहने पर कांग्रेस की रही है सीट

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा विधानसभा सीट ऐसी है जहां प्रदेशभर की निगाहें है। इसका कारण है कि कहीं न कहीं इस सीट को कांग्रेस सरकार गिरने का जिम्मेदार भी माना जाता है। चेहरे 3 साल पहले हुए उपचुनाव वाले है, लेकिन समीकरण बदल चुके हैं। पिछले 5 चुनावों की बात करें तो 80 प्रतिशत के ऊपर वोटिंग में भाजपा उपचुनाव में ही जीती थी। जबकि 72 से 76 प्रश वोटिंग में दो बार भाजपा ने दम भरा। वहीं 80 प्रतिशत के ऊपर वोटिंग में दो बार कांग्रेस उम्मीद्वार चुनकर आया। इस बार वोटिंग का प्रतिशत 82.91 रहा है। जो पिछले पांचों चुनावों से सबसे ज्यादा है।

यहां पार्टी नहीं प्रत्याशी पर निर्भर रहता आया है चुनाव...

2013 में मोदी लहर के चलते संसदीय क्षेत्र में 7 सीटों पर भाजपा का कब्जा रहा। सुवासरा सीट से एकमात्र कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत दर्ज कराई। 2018 लोकसभा में सुवासरा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी को समर्थन मिलने के बाद विधानसभा में वापस कांग्रेस प्रत्याशी डंग ही जीते। 2020 के उपचुनाव में रुपयों के लेन-देन का माहौल भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ बना। लेकिन, 29 हजार मतो के भारी अंतर से भाजपा ने जीत हासिल की। यह भी कह सकते है कि इस विधानसभा में पार्टी नहीं प्रत्याशी पर निर्भर रहता है चुनाव।

विधानसभा में अलग और लोकसभा में अलग है मिजाज...

नवंबर 2013 में मोदी लहर के चलते संसदीय क्षेत्र में 8 में 7 सीटों पर भाजपा का कब्जा रहा। सुवासरा सीट से एकमात्र कांग्रेस प्रत्याशी ने 7 हजार मतों से जीत दर्ज की। जबकि, इसके छह माह बाद मई 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को सुवासरा विधानसभा में 25 हजार से अधिक मतों की लीड मिली। यही कहानी नवंबर 2018 के विधानसभा व मई 2019 के लोकसभा चुनाव में दोहराई गई। विधानसभा में कांग्रेस के डंग 350 मतों से जीते तो लोकसभा में भाजपा के सुधीर गुप्ता को इस विधानसभा से 40 हजार से अधिक मतों से जीत मिली।

बाउंड्री पर कैच आउट हो गए थे पाटीदार...

2018 के विधानसभा चुनाव में भी बड़ा दिलचस्प मुकाबला हुआ। जहां जिले की मंदसौर, मल्हारगढ़ विधानसभा में भाजपा प्रत्याशियों ने 11 से 18 हजार के बढ़े अंतर से जीत दर्ज की। गरोठ में भी 2100 मतों से भाजपा के देवीलाल धाकड जीत गए। सुवासरा में भाजपा के राधेश्याम पाटीदार महज 350 वोटों से पिछड़कर बाउंड्री पर कैच आउट हो गए।

प्रशासन की मेहनत से बढ़ा मतदान प्रतिशत

पार्षदों की लापरवाही, सूची में नहीं मिला नाम

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कहा जाता है बंपर मतदान से भाजपा को लाभ मिलता है तो कम मतदान कांग्रेस का साथ देता है। लेकिन, अबकी बार प्रतिशत अनुमान नहीं बताएगा। इसका कारण है कि प्रशासनिक अमले की कडी मेहनत से आई जागरुकता का परिणाम है कि जिले में बंपर वोटिंग हुई। इसके अलावा एक और फैक्टर यह नजर आ रहा है कि कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नजर नहीं आए। निराश होकर उन्हें वापिस लौटना पड़ा। जबकि, नपा चुनाव में उन्होंने मतदान किया था। यहां कहीं न कहीं पार्षदों की लापरवाही सामने आ रही है तो इससे नुकसान भी भाजपा को होने की आशंका है।

पिछली बार जहां 81 प्रतिशत से कुछ कम मतदान हुआ था तो वहीं इस बार आंकड़ा 83 प्रतिशत के पार पहुंच गया। इधर हर बार मतदान के प्रतिशत के आधार पर हार-जीत का अनुमान चर्चाओं में होता है। 80 प्रतिशत के पार वोटिंग में कोई भाजपा तो कम प्रतिशत में कोई कांग्रेस को विजयी बताता है। लेकिन, यह आंकड़ों का अनुमान अब फैल हो गया है। इसका कारण है कि मतदान का प्रतिशत भाजपा या कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के दम पर नहीं, बल्कि प्रशासनिक अमले के आधार पर बढ़ रहा है। वोटिंग को लेकर अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों ने अपने आपको पूरी तरह से झोंक दिया। जिसका परिणाम रहा कि इस बार आंकड़ा पिछले साल से भी ज्यादा रहा। अब नेता, कार्यकर्ता या आमजन वोटिंग के आधार पर हार जीत के परिणाम का अनुमान नहीं लगा पा रही। इसका कारण है कि जिन मतदाताओ को प्रशासनिक अमला अपनी मेहनत से जागरुक कर मतदान केंद्र तक लाया, वह वोटर किसके है, यह बताना मुश्किल है। यही कारण है कि सभी जगहों पर कांटे की टक्कर मानी जा रही है। ऐसे में एक प्रतिशत भी आंकड़ा पिछले साल से बढ़ा है तो कहीं न कहीं यह एक प्रतिशत वोटर न्यूट्रल ही कहे जा सकते हैं। यह न तो भाजपा के है और न ही कांग्रेस के। यह वोटर है प्रशासन के। अब प्रशासन के वोटरों ने किसका साथ दिया। यही परिणाम को निर्धारित करेंगा।

भाजपा को हो सकता है नुकसान...

वैसे तो भाजपा नेता से लेकर कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए कर्मठ माना जाता है। लेकिन, इस बार कहीं न कहीं शहर में कुछ भाजपा पार्षदों की लापरवाही सामने आई है। जिससे कहीं न कहीं भाजपा को नुकसान होने की आशंका है। मामला है अपने वार्ड की मतदाता सूची को सही तरीके से टेली नहीं करना। कुछ जगहों पर ऐसे मतदाता सामने आए, जिन्होंने नपा चुनाव में मतदान किया था, लेकिन जब शुक्रवार को विधानसभा चुनाव में मतदान करने के लिए पहुंचे तो उनका नाम लिस्ट में था ही नहीं। जबकि, 20 दिन का समय मतदाता लिस्ट बनने के बाद दिया गया था। भाजपा को नुकसान होने की बात इसलिए कहीं जा सकती है कि नपा परिषद में भाजपा पार्षदों की संख्या 29 है। यह वार्ड कहीं न कहीं भाजपा को ही बढ़त दिलाते। अगर पार्षद लिस्ट को टेली कर लेते तो मतदाताओं को बिना मतदान के घर लौटने जैसी स्थिति नहीं बनती। चुनाव आयोग का वोटर आइडी होने के बावजूद मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं मिले। ये भटकते रहे, फिर थक हारकर लौट गए।

परेशानी: कोर्स अधूरा, पूरा करना चुनौती

पैंतीस प्रतिशत पढ़ाई डेढ़ माह में करना होगी पूरी, फरवरी में है परीक्षा

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। हाई स्कूल और हायर सेकंडरी में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं फरवरी से शुरू होंगी। जबकि, अब तक स्कूलों में लगभग 65 फीसदी कोर्स पूरा हो सका है। शिक्षा विभाग जनवरी के पहले सप्ताह तक कोर्स कम्पलीट करने का दावा कर रहा है। लेकिन, डेढ़ महीने में भी 35 फीसदी कोर्स पूरा कैसे हो पाएगा।

दरअसल, इस महीने 20 तारीख तक त्योहारों की छुट्टियां हैं। वहीं दिसंबर के पहले सप्ताह में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने हैं। 6 से 15 तारीख तक अद्धवार्षिक परीक्षाएं होंगी। इसके बाद क्रिसमस की छुट्टियां लगेंगी। इस तरह नवंबर-दिसंबर में करीब 15 दिन मिलेंगे। हालांकि, जनवरी कोर्स पूरा करने के लिए मिलेगा। इस तरह डेढ़ महीने में कोर्स कम्पलीट होने में संशय है। छात्र कब परीक्षा की तैयारी करेंगे, यह भी बड़ा सवाल है।

मॉनिटरिंग की पुख्ता व्यवस्था नहीं...

दिसंबर में छमाही के बाद कितना कोर्स कम्पलीट किया गया। इसकी मॉनिटरिंग की लिए विभाग की ओर से कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं की गई है। केवल, रिमेडियल और एक्सट्रा क्लास के माध्यम से छात्रों की समस्याओं और कमियों को दूर किया जाएगा। केवल छह माही परीक्षा के मूल्यांकन के आधार पर आगे की तैयारी होगी। इसके बाद विमर्श पोर्टल पर अभ्यास पेपर बनाकर लोड किए जाएंगे, जिन्हें छात्रों को हल करना होगा। जहां भी उन्हें दिक्कत होगी उसे स्कूल स्तर पर दूर किया जाएगा।

प्री-बोर्ड नहीं होने का तैयारी पर असर नहीं...

अधिकारियों के अनुसार कोशिश रहेगी दिसंबर अंत या जनवरी के पहले सप्ताह तक पूरा कोर्स खत्म कर दिया जाए। इसके बाद रिवीजन शुरू करेंगे ताकि छात्रों को दिक्कत न हो। अधिकारियों ने बताया कि कैलेंडर के हिसाब से ही पढ़ाई हो रही है। प्री-बोर्ड नहीं भी होने से तैयारी पर असर नहीं पड़ेगा।

चुनाव में शिक्षकों की ड्यूटी से हुई दिक्कत...

विधानसभा चुनाव में भोपाल से ही अधिकांश शिक्षकों की ड्यूटी लगी है। इससे पढ़ाई पर असर पड़ा है। छात्रों का 60 से 65 फीसदी कोर्स पूरा हो गया है। तैयारी के लिए छात्रों को भी मेहनत करनी पड़ेगी।

रात में बढ़ी ठंड, दोपहर में सामान्य

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में ठंड का आगमन हो चुका है। तापमान में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक कई जिलों में तापमान 13 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है। जिससे लोगों को रात में और अलसुबह कड़ाके की ठंड महसूस हो रही है।

मंदसौर में शुक्रवार देर रात तापमान गिरकर तेरह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं बात करें दोपहर की तो मौसम में न तो गर्मी महसूस हो रही है और न ही ठंड। मतलब मौसम अच्छा लग रहा है। वहीं मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार सर्द मौसम की शुरुआत ओस की बूंदों के साथ हो रही है। प्रदेश के किसानों के लिए सर्दी की ऐसी शुरुआत खुश करने वाली है। दरअसल रबी फसलों के लिए ओस भरी सर्दी काफी फायदेमंद होती है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में एक बार फिर न्यूनतम तापमान में वृद्धि देखी जा सकती है।

प्रदेश में न्यूनतम तापमान में ही गिरावट दर्ज नहीं की गई, बल्कि अधिकतम तापमान भी लगातार गिर रहा है। प्रदेश के तीन जिलों को छोड़ दिया जाए तो, अन्य सभी जिलों का अधिकतम तापमान गिरकर 30 डिग्री सेल्सियस के नीचे आ गया है।

वोट डालते समय ईवीएम के साथ बनाया वीडियो, 3 प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। वोट डालते समय ईवीएम मशीन के साथ वीडियो बनाने के मामले में पुलिस ने 3 प्रकरण दर्ज किए है। इसमें दो नामजद एवं अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के तहत मामला दर्ज किया है।

पहला मामला रलायता प्रावि शाला भवन मतदान केंद्र 130 का है। यहां एक अज्ञात व्यक्ति का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसमें ईवीएम मशीन पर वोट डालते समय वीडियो बनाया गया है। इसी तरह से सीतामऊपुलिस ने बताया कि अन्य मामले में सोहनसिंह पिता शिवसिंह निवासी खजूरी गौड और एक अज्ञात व्यक्ति ने खजूरी गौड स्थित मतदान केंद्र पर मतदन करते समय वीडियो बनाकर वायरल किया। यहां पर अज्ञात आरोपी द्वारा ईवीएम में कमल के फूल के निशान पर स्याही लगाकर चुनाह चिन्ह को छिपाकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया। इधर सुवासरा पुलिस ने बताया कि शंभूलाल उर्फ प्रिंस निवासी जमुनिया ने भी मतदान केंद्र पर मतदान करने का वीडियो बनाकर वायरल किया। पुलिस ने सभी मामलों में धारा 188 के तहत केस दर्ज किया है।

जावरा में रिकॉर्ड 85.48 प्रतिशत मतदान

34 हजार165 वोट मिले तो ही बचेगी प्रत्याशियों की जमानत

रतलाम, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। संसदीय क्षेत्र की जावरा विधानसभा चुनाव 2023 में 17 नवंबर को मतदान हुआ। जावरा सीट पर आजादी के बाद पहली बार रिकॉर्ड 85.48 प्रतिशत वोटिंग (ये सिर्फ ईवीएम पर डाले गए वोट हैं) हुई। अभी इसमें करीब 2109 पोस्टल बैलेट (365 दिव्यांग व 80 प्लस वाले वोटर, जिन्होंने घर से मतदान किया और 1744 ड्यूटी कर्मचारी, जिन्होंने मतपेटी का उपयोग किया शामिल है।) जुड़ेंगे। वहीं 230 सर्विस वोटर भी हैं, जिनके मत अभी प्राप्त होना बाकी हैं।

अर्थात इन सभी को जोड़ने के बाद कुल मतदान का आंकड़ा 2 दिसंबर तक अपडेट होगा, जो 86.36 प्रश या इससे ज्यादा पहुंचेगा। इतने वोट कभी नहीं गिरे। गणना रतलाम में 3 दिसंबर को होगी। मौजूदा स्थिति की बात करें तो कुल 2 लाख 5 हजार 56 वोट गिरे हैं। किसी भी प्रत्याशी को जमानत बचाने के लिए इसके 16.66 प्रतिशत वोट प्राप्त करना जरूरी है, जो लगभग 34 हजार 165 वोट के आसपास होते हैं।

पाटोत्सव मेले में 5 दिन शेष, अभी तक मैदान ही तैयार नहीं!

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान पशुपतिनाथ मंदिर पर लगने वाले कार्तिक मेले के मौके पर व्यापारी झूला चकरी लेकर मेला ग्राउंड में पहुंच चुके हैं। हालांकि मेले की तैयारी को लेकर नगर पालिका अधिकारियों पर शिथिलता का आरोप लग रहा है। जबकि, आचार संहिता लगने से पहले ही नपा ने सम्मेलन कर मेले की तैयारियों के लिए बजट का प्रस्ताव पारित कर लिया था।

अब मेला लगने में सिर्फ पांच दिन का समय है और अब तक नगर पालिका ने चुनाव आयोग से मेला लगाने की अनुमति नहीं मिली है। इधर नपा प्रशासन अब भी दावा कर रहा है कि चुनाव संपन्न हो गए है। अब जल्द ही मेले की तैयारी भी पूरी हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि हर साल कार्तिक माह की एकादशी को पशुपतिनाथ पाटोत्सव का आयोजन होता है। पाटोत्सव के साथ ही कार्तिक मेला भी शुरू हो जाता है। कार्तिक पूर्णिमा को शिवना नदी में हजारों श्रद्धालु परिवार के साथ दीपदान करने पहुँचते है। दीपदान के साथ ही श्रद्धालु मेले का आनन्द भी उठाते है। कार्तिक एकादशी 23 नवंबर को है। लेकिन, नगर पालिका ने अब तक मेला ग्राउंड ही तैयार नहीं किया है। इस लिहाज से इस बार पशुपतिनाथ पाटोत्सव के साथ मेला शुरू होने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है।

इनका कहना...

हमने निर्वाचन आयोग से आचार संहिता से पहले ही पत्र लिखकर मेले की अनुमति मांगी है। अब तक अनुमति नहीं मिली है। मेरे हाथ मे पत्र लिखना ही था। अनुमति देना निर्वाचन अधिकारी के उप्पर है।

सुधीरकुमार सिंह
सीएमओ नपा मंदसौर

मैली शिवना– इन दिनो शिवना नदी में गंदगी पसरी पड़ी है। जिससे आने-जाने वाले लोग बदबू से परेशान है। कुछ ही दिनो बाद श्री पशुपतिनाथ महादेव का मेला भी लगने वाला है। ऐसे में नपा व प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

विचार-मंथन

तमाम कोशिशों के बावजूद रेल यात्रा सुरक्षित नहीं

तमाम कोशिशों के बावजूद सुरक्षित सफर सुनिश्चित करा पाना रेलवे के लिए कठिन काम बना हुआ है। कभी कोई गाड़ी पटरी से उतर जाती है, तो कभी दो गाड़ियां आपस में टकरा जाती हैं। हालांकि दावा किया जाता है कि गाड़ियों में टक्कररोधी उपकरण लगाने और कंप्यूटरीकृत यातायात संचालन व्यवस्था होने के बाद से हादसों में कमी आई है। मगर बीते छह महीनों पर नजर डालें तो कई बड़े हादसे हो चुके है, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई और सैकड़ों घायल हुए। अभी बारह घंटे के भीतर दो गाड़ियों में आग लगने की घटनाएं उसी सिलसिले में जुड़ गई हैं। बुधवार को एक तेज रफ्तार गाड़ी दिल्ली से दरभंगा के लिए रवाना हुई थी। उत्तर प्रदेश के इटावा पहुंचते ही उसके तीन डिब्बों में आग लग गई। गनीमत थी कि गाड़ी अभी स्टेशन से रवाना ही हुई थी और कर्मचारियों ने उसमें से धुआं उठता देखा और रुकवा लिया। इस तरह कोई बड़ा हादसा होने से बच गया। मगर वहीं दूसरी गाड़ी में आग लगने से उन्नीस लोग घायल हो गए। आग लगने की वजह से वे चलती गाड़ी से कूदने और भागने लगे थे। दूसरी गाड़ी भी दिल्ली से बिहार के वैशाली जा रही थी। रेल गाड़ियों में आग लगने की बड़ी वजह उनमें लगे खराब गुणवत्ता वाले तार और उन्हें जोड़ने आदि में बरती गई लापरवाही होती है। गरम होकर जब दो तार आपस में चिपक जाते हैं, तो चिनगारी फूटने लगती है। दोनों घटनाएं रात के वक्त हुईं, जब ज्यादातर मुसाफिर सो रहे थे। जब भी तारों के चिपक कर जल उठने की घटना होती है, तो उसकी आहट पूरे डिब्बे में आग के फैलने से पहले मिल जाती है। जाहिर है, इन दोनों घटनाओं के वक्त भी तारों के जलने की बदबू डिब्बे में फैली होगी। मगर समय रहते किसी तकनीकी सहयोगी ने उस पर काबू पाने की कोशिश नहीं की, इसलिए आग फैली। ज्यादा संभव है कि उन गाड़ियों में कोई तकनीकी सहयोगी रहा ही न हो। आमतौर पर डिब्बों में जो सहायक तैनात किए जाते हैं, वही बिजली आदि से संबंधित गड़बड़ियों को सुधारने या सुधरवाने की जिम्मेदारी उठाते हैं। मगर जिन दोनों गाड़ियों में आग लगी, वे विशेष गाड़ियां थीं, जो छठ के मद्देनजर चलाई गई थीं। फिर उनके जिन डिब्बों में आग लगी वे सामान्य शयनयान थे। इसलिए जाहिर है, उनमें भीड़ भी कुछ अधिक रही होगी और उनमें सहायकों की तैनाती उस तरह नहीं की गई होगी, जैसे दूसरी गाड़ियों के विशेष वातानुकूलित डिब्बों में की जाती है। दरअसल, त्योहारों के मौकों पर विशेष गाड़ियां चला कर रेलवे यात्रियों के दबाव को कम करने की कोशिश तो करता है, मगर वह उनमें वैसी सेवाएं नहीं दे पाता जैसी दूसरी गाड़ियों में होती हैं। ऐसी गाड़ियों में लगे ज्यादातर डिब्बे प्राय- नियमित उपयोग के अतिरिक्त सुधार के लिए आए या सुधार कर रखे गए होते हैं। उन्हें इंजन के साथ जोड़ कर पटरियों पर दौड़ा तो दिया जाता है, मगर इस बात का गंभीरता से ध्यान नहीं रखा जाता कि आखिर वे लंबी दूरी का सफर तय करने के लिए सुरक्षित है भी या नहीं। फिर, अनेक बार घोषणाओं के बावजूद अभी तक रेल गाड़ियों और उनके डिब्बों को किसी केंद्रीकृत सुरक्षा प्रणाली से जोड़ने में कामयाबी नहीं मिल पाई है। ऐसेहादसों के वक्त चालक तक चेतावनी पहुंचाने की व्यवस्था भी नहीं होती। ऐसे लापरवाह रवैए के साथ रेलवे कहां तक सुरक्षित सफर का भरोसा दिला सकता है!

अंग्रेजों की बनाई कैसे जनता की मित्र होगी ?

रजनीश कपूर

क्या आपको पता है कि भारतीय पुलिस अधिनियम 1861 संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है? भारत का संविधान, भारत की जनता को सर्वोच्च मानता है। उसको ही समर्पित है। भारतीय गणराज्य की समस्त संस्थाएं जनता की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। किंतु भारतीय पुलिस अधिनियम 1861 में कहीं भी जनता शब्द का उल्लेख नहीं आता है। जाहिर है कि यह अधिनियम उस समय बनाया गया था जब भारत पर ब्रिटिश हुकूमत कायम थी। इस कानून का उद्देश्य ब्रिटिश हितों को साधना था। पुलिस का काम जनता पर नियंत्रण रखना था।ऽ आजादी के 75 साल बाद भी आज देश औपनिवेशिक मानसिकता वाले संविधान विरोधी पुलिस कानून को ढो रहा है। जब भी हमें पुलिस थाने या किसी पुलिस अधिकारी के संपर्क में आना पड़ता है तो मन में एक तनाव सा पैदा हो जाता है। इसका कारण है पुलिस के व्यवहार को लेकर हमारी सोच। ज्यादातर देखा यह देखा गया है कि भारत में पुलिसकर्मी जनता से सीधे मुंह बात नहीं करते। इस कड़े रवैये के पीछे पुलिसकर्मियों का रूख ही सबसे बड़ा कारण है। चाहे वो कोई उच्च अधिकारी हो या सड़क पर खड़ा एक आम सिपाही। ये हमेशा तने और तनाव में रहते है। तभी ये अक्सर अपने गुस्से और बुरे बर्ताव को सीधी-सादी जनता पर निकालते हैं। इसी के चलते आम जनता के मन में इन्हें सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता। यदि हमारी सरकार पुलिस सुधारों को लेकर गंभीर हो जाए तो विदेशों की तरह हम भी पुलिस को एक मित्र के रूप में देखेंगे। पुलिस सुधारों को लेकर हर सरकार में उच्च स्तरीय बैठकें होती रहती हैं परंतु इन बैठकों में कभी कोई विशेष समाधान नहीं निकलते। क्या आपको पता है कि भारतीय पुलिस अधिनियम 1861 संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है? भारत का संविधान, भारत की जनता को सर्वोच्च मानता है। उसको ही समर्पित है। भारतीय गणराज्य की समस्त संस्थाएं जनता की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। किंतु भारतीय पुलिस अधिनियम 1861 में कहीं भी जनता शब्द का उल्लेख नहीं आता है। जाहिर है कि यह अधिनियम उस समय बनाया गया था जब भारत पर ब्रिटिश हुकूमत कायम थी। इस कानून का उद्देश्य ब्रिटिश हितों को साधना था। पुलिस का काम जनता पर नियंत्रण रखना था ताकि कानून और व्यवस्था इस तरह बनी रहे कि अंग्रेज हुक्मरानों को भारत का दोहन करने में कोई दिक्कत पेश न आए। दरअसल, 1897 के गदर के बाद जब इंग्लैंड की हुकूमत ने ईस्ट इंडिया कंपनी से हिन्दुस्तान की बागडोर ली तब उसे ऐसी ही पुलिस की जरूरत थी। इसलिए ऐसे कानून बनाए गए। पर आश्चर्य की बात है कि 1947 में जब भारत आजाद हुआ या 1950 में जब हमने अपना संविधान लागू किया तब क्यों नहीं इस भारतीय पुलिस अधिनियम 1861 में बुनियादी परिवर्तन किया गया? क्यों औपनिवेशिक मानसिकता वाले कानून को एक स्वतंत्र, सार्वभौमिक, लोकतांत्रिक जनता के ऊपर थोपा गया? जब कानून पुराना ही रहा तो भारतीय पुलिस से ये कैसे उम्मीद की जाती है कि वह सत्ताधीशों को छोड़कर जनता की सेवा करना अपना धर्म माने? 1977 में बनी जनता पार्टी की पहली सरकार ने एक राष्ट्रीय पुलिस आयोग का गठन किया जिसमें तमाम अनुभवी पुलिस अधिकारियों व अन्य लोगों को मनोनीत कर उनसे पुलिस व्यवस्था में वांछित सुधारों की रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया। आयोग ने काफी मेहनत करके अपनी रिपोर्ट तैयार की पर बड़े दुख की बात है कि चार दशक बाद भी आज तक इस रिपोर्ट को लागू नहीं किया गया। 1998 में पुलिस सुधारों का अध्ययन करने के लिए महाराष्ट्र के पुलिस अधिकारी श्री जेएफ रिबैरो की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया जिसने मार्च 1999 तक अपनी अंतिम रिपोर्ट दे दी। पर इसकी सिफारिशें भी आज तक धूल खा रही हैं। इसके बाद के पद्मनाभईया की अध्यक्षता में एक और समिति का गठन किया गया। जिसने सुधारों की एक लंबी फेहरिस्त केन्द्र सरकार को भेजी, पर रहे वही ढाक के तीन पात। यह बड़े दुख और चिंता की बात है कि कोई भी राजनैतिक दल पुलिस व्यवस्था के मौजूदा स्वरूप में बदलाव नहीं करना चाहता। इसलिए न सिर्फ इन आयोगों और समितियों की सिफारिशों की उपेक्षा कर दी जाती है बल्कि आजादी के 75 साल बाद भी आज देश औपनिवेशिक मानसिकता वाले संविधान विरोधी पुलिस कानून को ढो रहा है। इसलिए इस कानून में आमूलचूल परिवर्तन होना परम आवश्यक है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की पुलिस को जनोन्मुख होना ही पड़ेगा। पर क्या राजनेता ऐसा होने देंगे? आज हर सत्ताधीश राजनेता पुलिस को अपनी निजी जायदाद समझता है। नेताजी की सुरक्षा, उनके चारों ओर कमांडो फौज का घेरा, उनके पारिवारिक उत्सवों में मेहमानों की गाड़ियों का नियंत्रण, तो ऐसे वाहियात काम हैं जिनमें इस देश की ज्यादातर पुलिस का, ज्यादातर समय जाया होता है। पुलिस आयोग की सिफारिश से लेकर आज तक बनी समितियों की सिफारिशों को इस तरह समझा जा सकता है; पुलिस जनता के प्रति जवाबदेह हो। पुलिस की कार्यप्रणाली पर लगातार निगाह रखी जाए। उनके प्रशिक्षण और काम की दशा पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए। उनका दुरूपयोग रोका जाए। उनका राजनीतिकरण रोका जाए। उन पर राजनीतिक नियंत्रण समाप्त किया जाए। उनकी जवाबदेही निर्धारित करने के कड़े मापदंड हों। पुलिस महानिदेशकों का चुनाव केवल राजनैतिक निर्णयों से प्रभावित न हों बल्कि उसमें न्यायपालिका और समाज के प्रतिष्ठित लोगों का भी प्रतिनिधित्व हो। इस बात की आवश्यकता महसूस की गई कि पुलिस में तबादलों की व्यवस्था पारदर्शी हो। उसके कामकाज पर नजर रखने के लिए निष्पक्ष लोगों की अलग समितियां हों। पुलिस में भर्ती की प्रक्रिया में व्यापक सुधार किया जाए ताकि योग्य और अनुभवी लोग इसमें आ सकें। आज की तरह नहीं जब सिफारिश करवा कर या रिश्वत देकर अयोग्य लोग भी पुलिस में भर्ती हो जाते हैं। जो सिपाही या इन्सपेक्टर मोटी घूस देकर पुलिस की नौकरी प्राप्त करेगा उससे ईमानदार रहने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? पुलिस जनता का विश्वास जीते। उसकी मददगार बनें। अपराधों की जांच बिना राजनैतिक दखलंदाजी के और बिना पक्षपात के फुर्ती से करे। लगभग ऐसा कहना हर समिति की रिपोर्ट का रहा है। पर लाख टके का सवाल यह है कि क्या हो यह तो सब जानते हैं, राजनैतिक इच्छाशक्ति के बिना कोई भी सुधार सफल नहीं हो सकता।

धैर्य और मौन जिंदगी के शक्तिशाली हथियार हैं...

सीमा श्रोत्रिय

जीवन में भावनाएं महत्त्वपूर्ण हैं और इसी कारण मनुष्य के व्यक्तित्व निर्माण की दिशा भी इनसे बनती-बिगड़ती है। हम जितनी जल्दी अपनी या किसी की भावनाओं का अनुमान लगा सकें, उतना अच्छा रहेगा। जो आदमी दूसरों की भावना का आदर करना नहीं जानता, उसकी दूसरों से सद्भावना की आशा व्यर्थ है। मोटे तौर पर धैर्य और मौन जिंदगी के शक्तिशाली हथियार हैं। धैर्य जहां मानसिक ताकत देता है, वहीं मौन भावनात्मक रूप से ताकतवर बनाता है। प्रेम को समझना है तो तन की नहीं, मन की आंखें खोलनी चाहिए, क्योंकि सच्चा प्रेम रूप से नहीं, भावना से जुड़ा मिलेगा। अगर सकारात्मक भावना की समझ है तो हम जीवन के हर पल का आनंद लेंगे, चाहे वह दबाव हो या खुशी। काम से ज्यादा उसके पीछे की भावना का महत्त्व है। कभी-कभी अपराध की भावना मनुष्य में तब उत्पन्न होती है, जब वह खुद को समाज से उपेक्षित महसूस करता है। व्यक्ति किसी के पास तीन कारणों से आता है- भाव से, अभाव से और प्रभाव से। अगर भाव से आया हो तो उसे प्रेम देना चाहिए, अभाव से आया हो तो मदद करनी चाहिए और अगर प्रभाव से आया हो तो प्रसन्न हो जाना चाहिए। भावनाएं हमें आध्यात्मिक, मनोवैज्ञानिक और क्रियात्मक तौर पर प्रभावित करती हैं। आध्यात्मिक जीवन में ध्यान के द्वारा हम अपने आपको स्वतंत्र कर लेते हैं, जिसमें ईश्वरीय स्वरूप की अनुभूति होती है। भक्ति में भावना प्रधान है। आदमी साधनों से नहीं, साधना से श्रेष्ठ बनता है। इसी तरह भवनों से नहीं, भावना से श्रेष्ठ बनता है और उच्चारण से नहीं, उच्च-आचरण से श्रेष्ठ बनता है। अच्छी सोच, अच्छे विचार और अच्छी भावना मन को हल्का करती है। हम सकारात्मक भावनाओं से उद्वेलित हैं तो लाभ में रहेंगे। नकारात्मक भावनाओं के नियंत्रण में हैं तो क्षति उठानी पड़ेगी। मन की भावना को संभालने वाला इंसान हमेशा जिंदगी की ऊंचाइयों में सबसे ऊपर होता है। मित्रता और रिश्तेदारी सम्मान की कम, भाव की भूखी ज्यादा होती है, बशर्ते लगाव दिल से होना चाहिए, दिमाग से नहीं। तभी कहा जाता है कि रिश्तों की सिलाई भावना से हुई है तो टूटना मुश्किल है और अगर स्वार्थ से हुई है तो टिकना मुश्किल है। यथार्थ में भावना हमारे रिश्तों को संभालती है, अन्यथा हम स्वार्थ की कश्तियों को संभालने में ही लगे रहते हैं। रिश्तों में भावना से ही संभावनाएं बनती हैं। रिश्ते बरकरार रखने की शर्त है कि भावना देखें, संभावना नहीं। निस्संदेह दूरियां किसी रिश्ते को नहीं तोड़ सकतीं और नजदीकियां कभी रिश्ते नहीं बना सकतीं। अगर भावनाएं सच्चे हृदय से हों तो रिश्ते रिश्ते रहते हैं, फिर चाहे वे मीलों दूर क्यों न हों। अपने-पराए की पहचान यही है कि जो भावनाएं समझे, वह अपना और जो उन्हें न समझे, वह पराया। जो दूर रहकर पास हो, वह अपना और जो पास रहकर दूर हो, वह पराया। जिंदगी को देखने का सबका अपना-अपना नजरिया है। इसीलिए जिसको हमारी जरूरत न हो, उसको जबरन प्रेम प्रदर्शित न करें, क्योंकि वहां हमारे साथ हमारी भावनाएं कुचली जाएंगी। मन के भाव भावनाओं पर टिके हैं। मन का भाव सच्चा है, उसका हर काम अच्छा है। वस्तु का जिस भाव से चिंतन किया जाता है, वह उसी प्रकार अनुभव में आने लगती है। भावनाएं चुप रहकर छिपा सकते हैं, लेकिन भूल जाते हैं कि हमारी आंखें बहुत कुछ बोल देती हैं। भावनाओं का कहां द्वार होता है, जहां मन मिले, वहीं हरिद्वार होता है। हमारी इच्छाएं जैसी होती हैं, वैसी भाव-भंगिमाएं मुख-मंडल पर दिखाई देने लगती हैं। कहते हैं कि भाषाओं का अनुवाद हो सकता है, भावनाओं का नहीं। उन्हें तो बस समझना पड़ता है। भावनाएं शब्दों से प्रकट होती हैं। हर बात दिल से लगाई जाएगी तो रोते रहना पड़ेगा। इसलिए सुखी रहने के लिए ज्यादा भावुक नहीं बनना चाहिए और हर बात को दिल से नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि लिखने वाला भावनाएं लिखता है और लोग केवल शब्द पढ़ते हैं। व्यक्ति के भीतर भावनाएं वास्तव में आंतरिक संदेश देती हैं कि हम जिस स्थिति में हैं या हम जो कर रहे हैं, वह हमारे हमारी मान्यताओं और इच्छाओं के निमित्त है या नहीं। भावनाएं अंतरात्मा को अभिव्यक्त करती हैं। कई बार अच्छी भावनाओं से वे कार्य सिद्ध हो जाते हैं, जिनमें हम निपुण नहीं होते। वहीं, नकारात्मक भावनाओं से वह कार्य भी पूर्ण नहीं कर पाते, जिनमें हम पारंगती का गुमान पाले रहते हैं। अपनी भावनाओं को संतुलित और नियंत्रित रखना जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यों में से एक है। बुरी भावनाओं से निपटने का सबसे आसान उपाय है।

पारदर्शिता के संसार में चल रहे कुछ नए प्रयोग

आजकल बहुत सारी ऐसी बातें सामने घट रही है, जिनमें बाल की खाल उधेड़ना न केवल अमूर्त सुख देता है, बल्कि उससे कई नई आयाम भी निकल आ सकते हैं। कुछ बातें समझने के लिए कोई दार्शनिक होने की जरूरत नहीं पड़ती और न ही दर्शन का कोई अध्येता होने की। खुद को एक दृष्ट समझने के बजाय सिर्फ दर्शक समझ कर चुपचाप दर्शन में लगे रहा जाए, यानी किसी संदर्भ को देखना, निहारना, टापते रहना, तो उसके बारे में कई बार समझना संभव हो जाता है। जरूरत बस इसकी है कि जब कहीं कोई अवांछित बात देखी जाए, तो उस पर गौर किया जाए। यों भी आजकल बहुत सारी ऐसी बातें सामने घट रही हैं, जिनमें बाल की खाल उधेड़ना न केवल अमूर्त सुख देता है, बल्कि उससे कई नई आयाम भी निकल आ सकते हैं। हालांकि बाल की खाल उधेड़ने वाले कई लोग ऐसे भी हो सकते हैं, जो अपने भोजन में किसी के धोखे से गिरे बाल को देख लें, तो चुपचाप उसे हटा देते हैं, लेकिन किसी सहज दिखने वाली बातों पर भी सवाल करके उसके वास्तविक अर्थ निकाल लाते हैं। मसलन, किसी के सुंदर और सौम्य दिखने वाले चेहरे के पीछे उसका विकृत मन भी छिपा हो सकता है। सौंदर्यबोध की पारंपरिक परिभाषा में कुछ धारणाएं ठहरी हुई हैं, मगर जब आधुनिक सौंदर्यबोध में भी कोई प्रश्न नहीं दिखता है तो अफसोस होता है। बहरहाल, एक होता है समदर्शी और एक होता है पारदर्शी। बड़े कमाल के होते हैं ये दोनों शब्द। समदर्शी तो एक मायने में ठीक ही लगता है। सबको एक निगाह से देखना और एक लाठी से हांक देना जैसी फिजूल बातों को अगर छोड़ दें तो यह एक बेहतरीन विचार है। समानता हर धर्म और मत का सपना रहा है, किसी मानवीय विचारधारा के लिए बेहतर इंसानी समाज बनाने का उद्देश्य रहा है। मगर कई बार पारदर्शी शब्द पर गहरे जाकर सोचने का मन करता है। जब भी कोई घोटाला उजागर होता है, तब अपने बचाव में आरोपी पक्ष यही कहता सामने आता है कि हमने संपूर्ण पारदर्शिता बरती थी, लेकिन घोटाला हो गया है। घोटाले के दैत्य पर पारदर्शिता के सुकोमल शब्द-पंख चिपका कर पूरे प्रकरण को अक्सर मनोहारी परिंदे का रूप देकर उड़ा देने के प्रयास होने लगते हैं। पारदर्शिता का यह नया मुहावरा इन दिनों बहुतायत से चलन में है। व्यक्ति हो, प्रशासन हो या नीति या प्रक्रिया अपनाने की बात हो, हर कहीं 'पारदर्शिता' की फिटकरी घुमाकर गंदगी का तलछट हटाने की कोशिश की जाने लगती है। आदमी भले ही बेईमान हो, लेकिन उसका व्यक्तित्व पारदर्शी कहा जाता है, ऐसी प्रक्रिया भले ही अपनाई गई हो, जिससे देश के राजस्व को चूना लगा हो, लेकिन उसे सौ फीसद पारदर्शी सिद्ध करने की कोशिश की जाने लगती है। आखिर यह पारदर्शी क्या है? शाब्दिक रूप से समझा जाए तो ऐसी चीज, जिसके आर-पार देखा जा सके। जैसे कांच होता है, ठहरा हुआ जल और चश्मे का लेंस होता है। पारदर्शी व्यक्तित्व के अंदर और उसकी पीठ के पीछे जो कुछ छिपा हुआ हो, स्पष्ट नजर आ सकता है। वह छिपा नहीं रह सकता, बल्कि देखा जा सकता है। कहने का मतलब यह भी हुआ कि जो बातें बाहर से दिख रही हैं, वही अंदर भी हैं। यह नहीं कि कहने को किया जा रहा हो कुछ और करने के स्तर पर चल रहा हो कुछ और। प्रश्न यह उठता है कि अगर किसी व्यक्ति विशेष का व्यक्तित्व पारदर्शी है तो क्या वह इतना पारदर्शी हो सकता है कि अपने अंदर होने वाली या उसकी आड़ लेकर की जानेवाली सारी बेईमानियों को स्पष्ट नजर आने देगा? क्या उसमें इतनी पारदर्शिता बनी रह सकेगी।

आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5044

1		8			6	4		
		6		9		8		7
5								
2	6	9	5				8	
			4		9			
	8				2	7	9	1
								5
6		4		7		2		
		1	2			9		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5043

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5059

संकेत: बाएं से दाएं
1. अफगानिस्तान की सीमा से लगा एकमात्र भारतीय राज्य (5)
4. दीर्घश्वास, ठंडी सांस, निश्वास (2)
6. [illegible] (4)
7. पुस्तकालय को यह भी कहते है (5)
9. सौ की संख्या, क्रिकेट से संबंधित एक शब्द (3)
11. भारत की पहली महिला जिसने विश्वसुंदरी खिताब जीता (1966) (5)
14. गांधार के राजा जो गांधारी और शकुनि के पिता थे (3)
15. तुलना, बराबरी, [illegible] (3)
17. [illegible] व्यक्ति (2)
18. फलित ज्योतिष की राशियों में से एक (2)
19. कानन, जंगल, अरण्य (2)
20. पुस्तक-पठन आगार, बुक स्टोर (3)
21. [illegible] (2)

ऊपर से नीचे
1. आर.के.बैनर की फिल्म बरसात (1949) से अपना कैरियर शुरू करने वाला संगीतकार जोड़ी में एक (5)
2. अंदाजन, करीबन, अनुमानतः, तकरीबन (6)
3. जीवन युक्त होना, निवास करना, समाप्त न होना (3)
4. उम्मीद (4)
5. समुद्रमंथन से निकला प्रचंड विष जिसे भगवान शंकर ने अपने कंठ में रख लिया (4)
8. मित्र, आदरणीय व्यक्ति, [illegible] (2)
10. उत्तराधिकारी, दायाधिकारी, स्वत्वाधिकारी (3)
12. सामंजस्य, तालों का मिलान, संगति (4)
13. रात, विभावरी, रजनी, निशा (4)
14. मद, मादकता, नशा, उन्मादकता, नशीलापन, मदिरा (3)
16. [illegible], संगीत में स्वर का विस्तार (2)

वर्ग पहेली 5058 का हल

संक्षिप्त समाचार

पटियों से बंगलों तक हो रही है चुनाव परिणाम की चर्चा

भोपाल। मप्र की सभी 230 सीटों के लिये बीती शाम मतदान हो चुका है। मतदान होने के बाद पटियों से बंगलों तक चुनाव परिणाम की चर्चा हो रही है। चर्चा का मुख्य केन्द्र इस बार अधिक मतदान होना है तथा भाजपा-कांग्रेस के बागी नेताओं ने किसका समीकरण बिगाड़ा है। इसका फैसला तीन दिसंबर को आने वाला चुनाव परिणाम करेगा। मप्र में 18 साल से राज कर रही भाजपा के कई नेता टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर बागी हो गये थे। कांग्रेस के कई नेता सपा, बसपा, आम या निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर गये। उन्हें भाजपा- कांग्रेस ने निष्कासित कर दिया है। यह बागी नेता और अधिक मतदान ने कई राजनैतिक पंडितों के चुनावी समीकरण बिगड़ दिया है। इसका लाभ किसे मिलता है। यह तो चुनाव परिणाम बतायेंगे। यह तो तय है कि चुनाव परिणाम चौकाने वाले होंगे। चुनाव में जहां भाजपा को सरकार बचाने की चुनौती है। वहीं कांग्रेस को सरकार बनाने की चुनौती है। जनता की अदालत का फैसला आने तक यह भी चर्चा रहेगी कि किसने किसका काम किया। बत्ती किसने दी। जिनको खूब वाई क्षेत्र जितवाने का ठेका दिया गया था। उनकी भूमिका कितनी रही। मतदाताओं को घर से निकालकर मतदान केन्द्र लाकर वोट किसने डालवाया है। अचानक बढ़े वोट प्रतिशत का लाभ किसे मिल सकता है। भाजपा कांग्रेस के वोट बैंक में सपा- बसपा, आप, निर्दलीय ने कितनी सेंधमारी की है। इसके लिये तीन दिसंबर को इंतजार रहेगा। यह चुनाव परिणाम कई नेताओं का भविष्य तय करेंगे। मप्र के कई नेताओं का पद छिनेगा तो कई नेताओं को नया पद मिलेगा। चुनावी वादे पर भी चर्चा हो रही है। जिसे गारंटी के रूप में पेश किया गया था।

कमलनाथ को जन्मदिन की बधाई : आसिफ

भोपाल। मप्र कांग्रेस कमेटी के महासचिव हाजी आसिफ जकी ने मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ के जन्मदिन पर आज सुबह उनके बंगले पर जाकर बधाई दी और उनके लंबे सफल सुखद स्वस्थ राजनैतिक जीवन की दुआएं की। हाजी आसिफ जकी ने बताया कि कमलनाथ का जन्म 19-11-1946 को कानपुर में हुआ था। वो नौ- बार लोकसभा के सदस्य रहे। केन्द्रीय मंत्री पार्टी महासचिव मप्र के मुख्यमंत्री विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष रहे। कांग्रेस ने 2018 का चुनाव और 2023 का चुनाव उनके ही नेतृत्व में लड़ा। आज जब उनका जन्मदिन है। तब उन्होंने भोपाल स्थित अपने निवास अनेकों लोगों से मुलाकात की और सभ लोगों की बधाई को स्वीकारा। सुबह नौ बजे बारह बजे तक पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते। आज सुबह से ही उन्हें बधाई देने वाले अनेकों लोग उनके बंगले पर पहुंचने लगे थे। आसिफ जकी ने बताया कि मप्र में कमलनाथ के कद का कोई भी नेता नहीं है।

वोटर लिस्ट में नाम तो कही वोटर कार्ड घर आने के बाद भी नही डाला वोट

भोपाल । वोटर लिस्ट में नाम होने के बाद भी वोटर 2 घंटे लाइन में लगने के बाद भी वोट डालने से वंचित रह गया। तो वही वोटर कार्ड स्वयं बी एल ओ द्वारा घर भेजने के बाद भी जब वोटर वोट डालने पहुचा तो लिस्ट में नाम ही नही था तो कही वोट डिलीट में आ रहा था। इसमें एक मामला तो नरेला विधानसभा का है। जहां करोंद क्षेत्र वार्ड 79 स्थित शिव नगर में जब वोटर राकेश मीना वोट 2 घंटे लाइन में लगने के बाद वोट डालने पहुचा तो लिस्ट में नाम होने के बाद भी वह वोट नही डाल पाया। कहा आपके नाम मे क्रॉस लगा है। वही दूसरा मामला गोविंदपुरा विधान सभा के खजूरी कला गांव का है। जहां धन बाई पति झनक सिंह के घर कुछ दिन पहले ही उनका वोटर कार्ड आया था। परंतु जब वह वोट डालने पहुची तो लिस्ट से नाम गायब था। वही एक अन्य राजा देवी सोनकर पति इंद्रपाल जब लिस्ट में नाम होने के बाद वोट डालने पहुची तो वोट ही डिलीट था। इस तरह के अनेक मामले मतदान के दिन देखने मिले जहां कही न कही प्रशसन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। एक तरफ तो वोट प्रतिशत बढ़ाने जागरूकता की जा रही तो प्रशसन के अधिकरियो व कर्मचरियों के लापरवाही से वोट परसेंट स्वयं घट रहा। निर्वाचन आयोग को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए।

मतदान करने गया था पूरा परिवार चोरों ने मकान पर बोला धावा

राजधानी संवाददाता

भोपाल। जब सारा शहर भोपाल में मतदान कर रहा था उसी समय कर एक सोने मकान को अपना निशाना बना रहे थे। जब पूरा परिवार मतदान करने गया हुआ था तब चोरों ने उक्त मकान पर धावा बोलकर करीब 65000 का माल चोरी कर लिया।

राजधानी भोपाल के स्टेशन बजरिया इलाके में अज्ञात चोरों ने एक खुले मकान पर धावा बोलकर करीब 65 हजार रुपए का माल चोरी कर लिया पुलिस चोरों की सरकार हमेशा तलाश कर रही है।

इस संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना स्टेशन बजरिया स्थित पुरुषोत्तम नगर फेज 1 निवासी बाबूलाल मेवाड़ा गत दिवस वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ पर गए हुए थे उनका घर खुला हुआ था इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके घर में धावा बोल दिया बाबूलाल मेवाड़ा के घर से सोने चांदी के जेवर एवं नगदी सहित करीब 65 हजार रुपए का माल चोरी कर ले गए थाना स्टेशन बजरिया पुलिस द्वारा चोरी का प्रकरण दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

राह चलते युवक ने की नाबालिग से छेड़छाड़: राजधानी भोपाल के जहांगीराबाद इलाके में 11 वर्षीय नाबालीग किशोरी के साथ छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है इस संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना जहांगीराबाद अंतर्गत झदा कॉलोनी जहांगीराबाद निवासी 11 वर्षीय मासूम बच्ची जब किसी काम से जा रही थी तभी रास्ते में बदर नामक युवक ने उसे रोक लिया तथा उसके साथ अश्लील हरकतें कर छेड़छाड़ करने लगा जब किशोरी ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दे डाली थाना जहांगीराबाद पुलिस ने मासूम किशोरी की मां की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध भादवि की धारा 354 254 घाट 354 का एक आई नो एम पब्लिक 10 11 इन ऑब्लिक 12 पोक्सो एक्ट के तहत छेड़छाड़ का प्रकरण दर्ज कर लिया है पुलिस आरोपी की सर गर्मी से तलाश कर रही है।

बाथरूम में पैर फिसलने से बुजुर्ग की मौत

भोपाल राजधानी भोपाल के ऐशबाग इलाके में नहाते समय पैर फिसल जाने के कारण गिरे बुजुर्ग की मौत का मामला प्रकाश में आया है।इस संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना ऐशबाग अंतर्गत ऐशबाग कॉलोनी निवासी हमीर सिंह के 60 वर्षीय पुत्र नवरत्न सिंह यादव कल सुबह करीब 10-30 बजे अपने घर के बाथरूम में नहाने के लिए गए थे। आते समय पैर फिसल जाने के कारण गिरे नवरत्न सिंह को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया था जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत् घोषित कर दिया थाना ऐशबाग पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

फार्म हाउस पर चोरों का धावा

सोने चांदी सहित लाखों का माल ले उड़े चोर

भोपाल । राजधानी भोपाल के रतीबाड इलाके में चोरों ने एक फार्म हाउस का ताला तोड़कर लाखों रुपए के माल पर हाथ साफ कर दिया।

संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना रतीबड़ अंतर्गत में रतीबड़ रोड स्थित संतोष फार्म हाउस पर अज्ञात चोरों ने धावा बोला। बताया जाता है कि संतोष फार्म हाउस के मलिक आशीष जैन गत 11 नवंबर को अपने फार्म हाउस में ताला लगाकर घर चले गए थे जब वह गत दिवस 17 नवंबर को अपने फार्म हाउस पहुंचे तो उनके फार्म हाउस का ताला टूटा पड़ा था उन्होंने अंदर जाकर देखा तो अलमारी के अंदर रखे हुए सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी सहित लाखों रुपए का माल गायब था उन्होंने इसकी सूचना तत्काल रतीबड़ पुलिस को दी थाना रतीबड़ पुलिस सूचना पाकर मौके पर पहुंच गई। फार्म हाउस के मालिक संतोष जैन ने पुलिस को बताया कि वह कभी कभार ही फैमिली के साथ घूमने फिरने अपने फार्म हाउस आते हैं। उनके फार्म हाउस पर चौकीदार भी रहता है किंतु चुनाव होने के कारण चौकीदार भी फार्म हाउस पर नहीं था चोरों ने मौके का फायदा उठाया और उनके फार्म हाउस के ताले तोड़कर अंदर रखा हुआ माल चोरी कर ले गए। हालांकि चोर कितना माल अपने साथ ले गए हैं फिलहाल पुलिस ने इस बारे में कुछ नहीं बताया है पुलिस का कहना है कि सामान की लिस्ट मिल जाने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है कि चोर कितना सामान चोरी कर ले गए हैं फिलहाल थाना रतीबड़ पुलिस ने फार्म हाउस मालिक आशीष जैन की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध भादवि की धारा 457 380 के तहत चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है पुलिस चोरों की सर गर्मी से तलाश कर रही है।

विसर्जन घाट व कुंड हुए तैयार, खरना के बाद होगा 36 घंटे का निर्जला उपवास

भोपाल । लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ। व्रतधारियों ने सूर्योदय से पूर्व स्नान करने के बाद नए वस्त्र धारण कर पूजा कर भगवान भास्कर से सुख-समृद्धि और आरोग्यता की प्रार्थना की। फिर चने की दाल, कद्दू की सब्जी व चावल बनाए गए। व्रतियों ने इसे प्रसाद स्वरूप ग्रहण करने के बाद घर के बाकी लोगों ने भी इसका प्रसाद लिया। इस दौरान शतीलदास की बगिया घाट को भागवत थीम पर सजाया गया है।

शनिवार को खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा। शहर में छठ महापर्व मनाने के लिए अस्थायी तौर पर छठ घाट बनाकर विशेष इंतजाम किए गए हैं। इसी तरह 19 को सुबह भी श्रद्धालु घाटों पर पहुंचकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देंगे और व्रत का पारायण करेंगे। शहर में छठ पूजा के सामूहिक आयोजन 50 से अधिक स्थानों पर किए जा रहे हैं। 19 नवंबर को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और दीपदान होगा। भोजपुरी एकता मंच की ओर से शीतलदास की बगिया में 2100 दीपों से दीपदान किया जाएगा। इसी प्रकार खटलापुरा, पांच नंबर शिवाजी नगर आदि घाटों पर भी दीपदान और आतिशबाजी होगी। शनिवार को श्रद्धालु पूरे दिन निर्जला व्रत रखेंगे और शाम को गुड़ की खीर, घी वाली रोटी, पूजा अर्चना के बाद ग्रहण करेंगे। इस महाप्रसाद के बाद निर्जला व्रत की शुरूआत हो जाती है। रविवार को सभी व्रतधारी घाटों पर पहुंचेंगे और पूजा अर्चना कर ऋतु फल, ठेकुआ पकवान, गागल नारियल आदि डलिया में रखकर कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देंगे। वहीं सोमवार को चार दिवसीय छठ पूजा का समापन होगा। इस दिन सुबह सूर्योदय के समय फिर व्रतधारी सरोवरों पर पहुंचेंगे और ऋतु फल, पकवान सजाकर गाय के कच्चे दूध से अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसके बाद व्रत का पारण होगा।

यहां शुरू हुए आयोजन

खटलापुरा घाट, सरस्वती मंदिर अवधपुरी,काली मंदिर घाट,पांच नंबर, विवेकानंद हायर सेकेंडरी स्कूल, शीतला माता मंदिर फतेहगढ़, ओल्ड सुभाष नगर दुर्गा मंदिर, बैरागढ़ विसर्जन घाट, कर्बला पम्प हाउस, मालीखेड़ी, नीलबड़, घोड़ा पछाड़ डैम, बाग मुगालिया एक्सटेंशन, हथाईखेड़ा डैम, विश्वकर्मा मंदिर बाग सेवनिया, अमराई पार्क सहित शहर और आसपास भी छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है।

करोंद, विश्वकर्मा नगर सहित अन्य जगह हंगामा

भोपाल । करोंद चौराहा स्थित न्यू माधवी गौतम हायर सेकेन्डरी स्कूल में मतदान के सुबह ही हंगामा हो गया है। यहां कुछ कॉलेज स्टूडेंट फर्जी वोटिंग के लिए आए थे। वह मतदान ड्यूटी में लगे कर्मचारियों द्वारा पकड़ लिए गए। इस बात पर भी वहां हंगामा हुआ। पुलिस बल ने पहुंच मामला शांत करवाया था। इसी के साथ थाना निशातपुरा अंतर्गत विश्वकर्मा स्थित न्यू इंडिया पब्लिक स्कूल में भाजपा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच आखरी समय में झडप हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उनकी टेबल फैंक दी गई। मौके पर जोन 04 एडिशनल डी सी पी मलकीत सिंह, ए सी पी रिचा जैन, थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने पहुंच मामला संभाला और भीड़ को तीतर बीतर कर दिया। यहां शाम तक वोटिंग जारी रही। वही यही हाल एम एल मेमोरियल में भी देखने मिला।

सांची में आयोजित बौद्ध मेला के अवसर पर सांची स्टेशन पर चार जोड़ी गाड़ियों के अस्थाई हाल्ट

भोपाल । चेतियागिरी विहार की 71वीं वर्षगांठ एवं सांची स्तूप पर अवशेषों की प्रदर्शनी के अवसर पर सांची में आयोजित बौद्ध मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दिनांक 25.11.2023 एवं 26.11.2023 को सांची स्टेशन पर गाड़ी संख्या 12615/12616 पुरातची थलैवर डॉ. एमजीआर सेंट्रल-नई दिल्ली-पुरातची थलैवर डॉ. एमजीआर सेंट्रल (जी.टी.) एक्सप्रेस, 18237/18238 कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस एवं 11271/11272 इटारसी-भोपाल-इटारसी विंध्याचल एक्सप्रेस, 11057/11058 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अमृतसर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस का 02 मिनट का अस्थाई हाल्ट प्रदान किया गया है।

गाड़ी संख्या 12615 पुरातची थलैवर डा. एम.जी.आर. सेण्ट्रल-नई दिल्ली जी.टी. एक्सप्रेस सांची स्टेशन पर 19.13 बजे पहुँचकर, 19.15 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12616 नई दिल्ली-पुरातची थलैवर डा.एम.जी.आर. सेण्ट्रल जी.टी. एक्सप्रेस सांची स्टेशन पर 02.36 बजे पहुँचकर, 02.38 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस सांची स्टेशन पर 06.42 पहुँचकर, 06.44 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 18238 अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस सांची स्टेशन पर 17.10 पहुँचकर, 17.12 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 11271 इटारसी-भोपाल विंध्याचल एक्सप्रेस सांची स्टेशन पर 08.18 पहुँचकर, 08.20 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11272 भोपाल-इटारसी विंध्याचल एक्सप्रेस सांची स्टेशन पर 18.58 पहुँचकर, 19.00 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 11057 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अमृतसर एक्सप्रेस सांची स्टेशन पर 16.03 पहुँचकर, 16.05 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11058 अमृतसर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस सांची स्टेशन पर 08.38 पहुँचकर, 08.40 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी।

भाजपा संगठन को जनप्रतिनिधियों के चंगुल से मुक्त होना होगा...

सत्ता और संगठन में तालमेल तो हो पर घालमेल ना हो

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जब सत्ता में बैठे हुए लोग संगठन का निर्धारण करते हैं तो अनेक प्रकार की विसंगतियां उत्पन्न होती है, क्योंकि पार्टी संगठन में किसी मंत्री सांसद या विधायक की पसंद के पदाधिकारी बनाए जाते हैं तो वह उनके इशारे पर ही काम करते हैं किंतु वे एक अच्छे और स्वाभिमानी कार्यकर्ता कभी नहीं बन सकते।

भारतीय जनता पार्टी का संगठन सिर्फ सत्ता प्राप्ति करने के उद्देश्य से नहीं बना है बल्कि राजनीतिक क्षेत्र में शुचिता और पवित्रता की स्थापना के लिए बहुत चिंतन- मनन के बाद इसका निर्माण किया गया है। यद्यपि सत्ता प्राप्ति तो पार्टी का एक छोटा- सा लक्ष्य है जो बहुत अनिवार्य भी है लेकिन इसके साथ-साथ राष्ट्र को परम- वैभव के शिखर पर पहुंचाना तथा राजनीतिक क्षेत्र में नेतृत्व करने वाले व्यक्तियों के चरित्र निर्माण तथा उनके जीवन में पवित्रता कायम रहे, इस बात का प्रयास तथा उन पर निरंतर निगरानी करने का लक्ष्य भी भारतीय जनसंघ की स्थापना से लेकर भारतीय जनता पार्टी की स्थापना तक रहा है और आज भी होना चाहिए। पंच- पंचायत से लेकर केंद्र की सरकार तक में चुने हुए जनप्रतिनिधियों की दिशा और दशा का निरंतर अध्ययन, भाजपा संगठन के द्वारा होते रहना चाहिए और समय-समय पर इस बात की समीक्षा भी होना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी के उद्देश्यों के अनुसार, राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए हमारे जनप्रतिनिधि किस स्तर पर काम कर रहे हैं। यदि उनकी कार्य पद्धति में कहीं भी दोष उत्पन्न होता दिखाई दे रहा है तथा वे मनमाने तरीके से, दूरगामी परिणामों को ध्यान में ना रखते हुए घोषणाओं पर घोषणाएं करते हैं तो, उनकी इन गतिविधियों के प्रति सतर्क रहकर उन पर नियंत्रण तथा उनका मार्गदर्शन करना चाहिए और यदि सत्ता के मद में पानी सिर से ऊपर निकल रहा हो तो उन्हें घर का रास्ता दिखाने में भी देरी नहीं करना चाहिए। पंचायत, नगर परिषद, पालिक, निगम, जनपद, जिला पंचायत, मंडी, मंडल एवं विधानसभा तथा संसद की बैठकों के पूर्व, भारतीय जनता पार्टी के संगठन को संबंधित जनप्रतिनिधियों की एक बैठक लेकर यह दिशा निर्देश अवश्य देना चाहिए कि 'जहां-जहां भाजपा का संगठन सत्ता में है वहां पर किसी अनुचित, अन्यायपूर्ण अथवा समाज या राष्ट्र विरोधी प्रस्ताव पारित न हो जाए।

पार्टी के संगठन में किसी भी स्तर पर अध्यक्ष से लेकर मंडल केंद्रों तक पदाधिकारियों की नियुक्तियां, संगठन द्वारा ही निर्धारित मानदंडों के आधार पर ही होना चाहिए इसमें किसी प्रकार की कोई सलाह, मंत्री, विधायक या अन्य जनता प्रतिनिधियों से लेने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए क्योंकि यदि उनकी पसंद/ सलाह से पार्टी के पदाधिकारी नियुक्त किए गए तो फिर पार्टी का नियंत्रण इन पर से समाप्त हो जाएगा तथा यह लोग निरंकुश हो सकते हैं अत: इस बात की सावधानी बरतना आवश्यक है। पार्टी संगठन में उम्र का बंधन नहीं रखकर शुद्ध योग्यता के आधार पर एवं वरिष्ठता को ध्यान में रखते हुए ही पदाधिकारियों का चयन किया जाना चाहिए। उक्त मानदंडों पर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी की दृष्टि बहुत तीखी और पैनी होना आवश्यक है किंतु फिर भी किन्ही कारणों से सत्य को जानते हुए वह या तो अनजान बन जाते हैं या फिर निष्पक्ष बने रहने के चक्कर में भी चुपचाप भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य या कृपाचार्य की तरह रहकर द्रोपदी का चीर हरण होते हुए देखते रहते हैं तो फिर उन्हें भी पार्टी में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। भारतीय जनता पार्टी संगठन को, केंद्र से लेकर मंडल स्तर तक जनप्रतिनिधियों के चंगुल से पूर्णता मुक्त करना आवश्यक है अन्यथा जो पार्टी, भारत की एकता अखंडता तथा भारतीय संस्कृति, इतिहास एवं परंपराओं की रक्षा के लिए बनी थी, वह सिर्फ सत्ता के माया जाल में उलझ कर रह जाएगी तथा अपने लक्ष्य से भटक सकती है। यहां यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि भारतीय जनता पार्टी का आर्थिक संचालन भी कार्यकर्ताओं के एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत वर्ग के लोगों के धन से ही होना चाहिए। इसके संचालन में किसी भी प्रकार का धन, मंत्रियों से विधायकों से या जनप्रतिनिधियों से प्राप्त नहीं करना चाहिए, अन्यथा धन का दबाव देकर वे पार्टी को अपने हिसाब से चलाने का प्रयास करेंगे। इसलिए यहां भी पार्टी को कठोरता बरतनी पड़ेगी तभी सत्ता और संगठन में एक रिस्पेक्टबल डिस्टेंस बना रहेगा, यह पार्टी के वरिष्ठपदाधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी है।

रमेशचन्द्र चन्द्रे, शिक्षाविद, मंदसौर

सर्द मिजाज के साथ सुबह की शुरुआत, ग्वालियर सबसे ठंडा शहर

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में ज्यादातर जिलों में ठंड का आगमन हो चुका है। तापमान में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक कई जिलों में तापमान 13 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है। जिससे लोगों को रात में और अलसुबह कड़ाके की ठंड महसूस हो रही है। प्रदेश के ग्वालियर जिले में गुरुवार देर रात तापमान गिरकर 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार सर्द मौसम की शुरुआत ओस की बूंदों के साथ हो रही है। प्रदेश के किसानों के लिए सर्दी की ऐसी शुरुआत खुश करने वाली है। दरअसल रबी फसलों के लिए ओस भरी सर्दी काफी फायदेमंद होती है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में एक बार फिर न्यूनतम तापमान में वृद्धि देखी जा सकती है।

इस बार पचमढ़ी नहीं, बल्कि ग्वालियर प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा है। पचमढ़ी में जहां न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वह ग्वालियर से 0.2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। मौसम वैज्ञानिक डॉ. शैलेंद्र नायक के मुताबिक ग्वालियर में तापमान तेजी से गिरने का कारण उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाएं हैं। प्रदेश में उत्तर भारत की ओर से सर्द हवाएं आ रही हैं। अभी उत्तर भारत के कुछ स्थानों में बारिश तो कुछ स्थानों में बर्फबारी का असर नजर आ रहा है। इसी के कारण मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज सर्द हो चला है।

कहां, कितना तापमान

प्रदेश में 34 स्थानों में दर्ज होने वाले तापमान के मुताबिक 19 जिले ऐसे हैं, जहां न्यूनतम तापमान गिरकर 15 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंच गया है। वहीं मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्तमान में हवाओं का रुख उत्तरी और उत्तर पूर्वी बना हुआ है। इन्हीं हवाओं के कारण तापमान में गिरावट का सिलसिला शुरू हो चुका है। प्रमुख जिलों के न्यूनतम तापमानपर नजर डालें तो सबसे कम तापमान ग्वालियर में 11.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। पचमढ़ी में 11.6, दतिया में 12, गुना में 12.6, उमरिया और मलाजखंड में 12.6, छतरपुर के नौगांव में 12.5, भोपाल में 15, इंदौर में 15, जबलपुर में 13 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है।

अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज

मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान में ही गिरावट दर्ज नहीं की गई, बल्कि अधिकतम तापमान भी लगातार गिर रहा है। प्रदेश के तीन जिलों को छोड़ दिया जाए तो, अन्य सभी जिलों का अधिकतम तापमान गिरकर 30 डिग्री सेल्सियस के नीचे आ गया है।

ग्वालियर में सबसे कम रहा तापमान

इनमें सबसे कम तापमान बालाघाट के मलाजखंड में 26.4, फिर ग्वालियर में 27.7, खजुराहो में 27.6, इंदौर में 27.4, रायसेन और शिवपुरी में 27 डिग्री सेल्सियस, तो जबलपुर में 28.7, भोपाल में 28.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है।

कलाल समाज आज मनाएगा सहस्त्रार्जुन भगवान की जयंती

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सर्ववर्गीय कलाल समाज सामाजिक समिति के द्वारा अपने आराध्य देव राज राजेश्वर सहस्त्रार्जुन भगवान की पावन जयंती पर आज 19 नवम्बर रविवार को होटल इंडियन चेरी, सीतामऊफाटक, रिलायंस पेट्रोल पंप के पास मंदसौर कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रात: 10 बजे हवन, पूजन, महाआरती होगी तत्पश्चात् समापन समारोह एवं प्रसादी का आयोजन होगा। समिति ने समाज के सभी वरिष्ठजन, पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित होकर आराध्य देव का शुभाशीष प्राप्त करने की अपील की है। उक्त जानकारी विकास बसेर ने दी।

स्टेशन बालाजी पर अन्नकूट आज

पिपलियामंडी, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। स्टेशन बालाजी मंदिर पिपलिया पर 19 नवम्बर को अन्नकूट प्रसाद का आयोजन होगा। मंदिर समिति अध्यक्ष हरिनंदन बोराना ने बताया पूजा-अर्चना के बाद दोपहर 12 बजे से अन्नकूट प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। यहां बैठक व्यवस्था कर प्रसाद वितरण होगा।

आर्य समाज में आज अमरसिंह ब्यावर देगें भजन की प्रस्तुति

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदसौर के अध्यक्ष श्री मधुसुदन आर्य ने बताया कि आज दिनांक 19 नवम्बर 2023, रविवार को प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक आर्य समाज मंदसौर में पधार रहे भजनोपदेशक श्री अमरसिंह के भजन एवं प्रवचन होंगे। श्री आर्य ने समस्त महानुभाव से पधारकर भजनों एवं प्रवचनों का लाभ लेने की अपील की है।

मंदिर में निम्न स्तर का निर्माण कार्य भक्तों की भावनाओं के साथ खिलवाड़-पाण्डेय

दोषी के विरूद्ध कार्यवाही कर मंदिर में श्रेष्ठ गुणवत्ता का निर्माण कार्य हो

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में स्थित भगवान सहस्त्र शिवलिंग मंदिर के निर्माण में निम्न स्तर का निर्माण दर्शन करने वाले भक्तों के लिए खतरा उत्पन्न हो रहा है। जिस तरह से कल खतरनाक रूप से मंदिर की निम्न स्तर की निर्मित दीवारों से पत्थर और निर्माण गिरा यह बहुत ही दुखद घटना है। जवाबदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों को इस मामले की जांच कराकर दोषी के विरूद्ध कडी कार्यवाही करना चाहिये। उक्त बात सामाजिक कार्यकर्ता रविन्द्र पाण्डेय कहते हुए कहा कि मंदिर जो श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र होता हैं वहां पर अपने स्वार्थसिद्धी के चलते घटिया स्तर का निर्माण कराना दुर्भाग्यपूर्ण हैं। भगवान पशुपतिनाथ महादेव का मंदिर विश्व प्रसिद्ध है यहां पर बडी संख्या में श्रद्धालु आने लगे है तथा लाखों रू. श्रद्धालुगण दानपेटी में डालते है। इस दानराशि का दुरुपयोग करना क्षमा योग्य नहीं है। श्री पाण्डे ने कहा कि इस मामले में जवाबदार लोगों को आगे आना चाहिए। निर्माण कार्य में दोषी है उनके विरुद्ध कार्रवाई करते हुए तुरंत ही श्रेष्ठगुणवत्ता का कार्य करवाना चाहिए। मंदिरों में दीवारों में निम्न स्तर का निर्माण कार्य भक्तों की भावनाओं को आहत करता है भक्त लोग अपनी श्रद्धा से मंदिरों में अपनी श्रद्धा दान के रूप में चढाते हैं और इस तरह से निम्न स्तर का घटिया निर्माण कार्य होगा और भक्तों के लिए खतरा साबित होगा यह बहुत ही दुखद है।

निर्वाचन सानंद सम्पन्न होने पर दी बधाई, आभार व्यक्त किया

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मन्दसौर जिले की चारों विधानसभाओं के निर्वाचन सानन्द सम्पन्न होने पर पतंजलि योग भारत स्वाभिमान संगठन जिला इकाई परिवार मंदसौर ने जिला प्रशासन, जिला पुलिस प्रशासन तथा मीडिया के साथ ही सभी राजनीतिक दलों, कार्यकर्ताओं का आभार मानते हुए हार्दिक मंगल बधाई प्रेषित की। सनातन धर्म के समस्त धार्मिक पर्वों में प्रमुख पंचदिवसीय दीपावली महापर्व के तत्काल दो दिन बाद लोकतंत्र के महान पर्व निर्वाचन के महायज्ञ में जिला प्रशासन के प्रमुख मुखिया कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव एवं जिला पुलिस प्रशासन के कप्तान श्री अनुराग सुजानिया के कुशल सफल नेतृत्व और मार्गदर्शन की अहम भूमिका के साथ ही इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मीडिया के पूर्ण सकारात्मक सहयोग, समस्त राजनैतिक दलों, कार्यकर्ताओं द्वारा मंदसौर जिले की मंदसौर, मल्हारगढ, सुवासरा, गरोठ चारों विधानसभा निर्वाचन केन्द्रों सभी प्रत्याशियों व कार्यकर्ताओं द्वारा परस्पर शांति, प्रेम, सौहार्द का परिचय देते हुए सानन्द सफल सम्पन्न कराने में विश्वबन्ध भगवान पशुपतिनाथ के इस पावन जिले की चाहे निर्वाचन हो, चाहे सामाजिक, आध्यात्मिक सभी कार्यों में परस्पर प्रेम, मिलनसारिता की जो गौरवशाली पहचान, प्रतिष्ठा की प्रेरणादायी परम्परा रही है उसको बरकरार कायम रखते हुए जो प्रेरणादायी संदेश दिया है उसके लिये विश्व योग गुरू स्वामी रामदेवजी हरिद्वार के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्थान पतंजलि योग, भारत स्वाभिमान, पतंजलि महिला योग, युवा भारत व किसान सेवा समिति संगठन की जिला इकाई परिवार मंदसौर द्वारा सबके प्रति आभार मानते हुए योग गुरू बंशीलाल टांक ने हार्दिक शुभमंगल बधाई दी है।

इस्कॉन द्वारा गोवर्धन पूजा महोत्सव व अन्नकूट आज

कार्यक्रम में शामिल होने खास तौर से इस्कॉन टेंपल, उज्जैन के प्रेसीडेंट प्रभु भी आए नीमच

नीमच, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आज रविवार, 19 नवंबर को शाम 4.00 बजे से नीमच इस्कॉन सेंटर पर उज्जैन से पधारे इस्कॉन टेंपल, उज्जैन के प्रेसीडेंट धीर गौर प्रभु जी के सानिध्य में गोवर्धन पूजा महोत्सव मनाया जायेगा। अधिक जानकारी देते हुआ संचालक कालिंदी मोहनदास प्रभुजी व मृदुल प्रभुजी ने बताया की नीमच में स्थानीय इंदिरा नगर स्थित इस्कॉन सेंटर पर गोवर्धन पूजा महोत्सव के तहत कीर्तन, महाभिषेक, कथा, गौ-पूजा, और परिक्रमा के साथ ही 56 भोग का विशेष आकर्षण रहेगा। शाम 4.00 बजे से आयोजित होने वाले गोवर्धन पूजा महोत्सव में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा। गोवर्धन पूजा महोत्सव के अवसर पर खास तौर पर उज्जैन से इस्कॉन टेंपल, उज्जैन के प्रेसीडेंट धीर गौर प्रभु जी भी नीमच पधारे हैं। समस्त समस्त कृष्ण भक्त, श्रद्धालुओं व धर्मप्रेमी जनता से उक्त आयोजन में भाग ले कर धर्म लाभ लेने की अपील इस्कॉन सेंटर, नीमच द्वारा की गई है। ज्ञात हो की दिवाली के पश्चात इस पूरे सप्ताह विभिन्न सेंटर्स पर भव्य रूप से गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जा रहा है।

गोवर्धन पूजा से जुडी मान्यता- भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठाकर भगवान इंद्र के कोप से हजारों बृजवासियों व अन्य जीव जंतुओं को बचाया था। इसलिए गोवर्धन पर्वत को भगवान के समान माना जाता है और उनकी पूजा की जाती है। देश में इस अवसर पर अन्नकूट भी किया जाता है, जिसमें भगवान को 56 प्रकार के भोग लगाए जाते हैं। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत की भी पूजा की जाती है. मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान का विशेष आशीर्वाद मिलता है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में अन्नकूट महोत्सव आज

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। द्वादश ज्योतिर्लिंग महिला भक्त मित्र मंडल स्नेह नगर मन्दसौर के द्वारा दिनांक 19 नवम्बर 2023 रविवार को शाम 7 बजे महाआरती कर अन्नकूट की प्रसाद वितरित की जाएगी।

मंदिर समिति ने बताया कि अन्नकूट प्रसादी में हर भक्त को चार पूडी व मिक्स सब्जी एवम देशी घी की नुकती वितरण की जावेगी। तत्पश्चात आपस मे एक दूसरे को दीपावली की शुभकामना देकर मिलन समारोह भी आयोजित होगा। महिला भक्त मित्र मंडल स्नेह नगर मन्दसौर ने श्रद्धालुजनों से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। यह जानकारी मंदिर के सक्रिय सदस्य एस.एल. शर्मा ने दी।

इंदिरा गांधी की जयंती पर आयोजन आज

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी श्रीमती इंदिरा जी गांधी की जयंती के अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर के नेतृत्व में व जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री विपिन जैन, पूर्व अध्यक्षगण श्री नवकृष्ण पाटिल, श्री प्रकाश रातडिया व वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में शहर क्षेत्र के अंबाबाडी में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जहां पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके देश के प्रति योगदान को याद किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्षगण अम्बालाल हिंगोरिया, अहमद सलीम खान, नपा नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी व कांग्रेस शहर क्षेत्र के मंडलम अध्यक्ष विश्वनाथ सोनी ने बताया कि 19 नवंबर रविवार को प्रात: 10:00 बजे अंबाबाडी में कार्यक्रम आयोजित कर इंदिरा जी को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी एवं उनके द्वारा भारत की प्रगति के लिए किए गए कार्यक्रमों का स्मरण किया जाएगा।

श्री सोनी ने मन्दसौर जिले व शहर के सभी पदाधिकारियों, मण्डलम-सेक्टर पदाधिकारियों, पार्षद, पूर्व पार्षद व पार्षद पद प्रत्याशियों व कांग्रेस कार्यकर्ताओं तथा मोर्चा संगठन, विभाग व प्रकोष्ठके पदाधिकारियों से कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील की है।

राजस्थान-एमपी सीमा पर सख्ती

प्रतापगढ़, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा ने राजपुरिया बॉर्डर का निरीक्षण किया। उन्होंने उडनदस्तों और पुलिस निगरानी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एफएसटी टीमों को आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने हथुनिया थानाधिकारी शंभूसिंह, एफ एसटी टीम को मध्य प्रदेश से आने-जाने वाले वाहनों पर कडी नजर रखने के आवश्यक निर्देश दिए।

राजस्थान-मध्य प्रदेश सीमावर्ती इलाकों पर 24 घंटे पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। जिले की पुलिस सख्त नजर आ रही है। जिले की सीमा पर सघन अभियान चलाकर चार पहिया वाहनों की चेकिंग की जा रही है। वहीं सीमा से निकले वाले वाहनों को रोककर उसकी एंट्री कर तलाश की जा रही है। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात एएसआई शिवलाल, सुरेश गोदवाल कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने बताया कि चुनाव को शांतिपूर्ण कराए जाने को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्कता बरत रही है। पुलिस बल द्वारा जिले में मध्य प्रदेश की सीमा की तरफ से प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की सफलता पूर्वक तलाशी ली जा रही है।

जांगड़ा पोरवाल समाज का 13वां परिचय सम्मेलन आज

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री जांगड़ा पोरवाल समाज मंदसौर का 13वां युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन आज 19 नवम्बर, रविवार को प्रात: 8 बजे से जैन महाविद्यालय महू-नीमच रोड मंदसौर पर आयोजित किया जा रहा है। इस परिचय सम्मेलन हेतु देश व विदेश से 1074 प्रत्याशियों का पंजीयन हुआ है। सम्मेलन में मप्र, गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित दूरस्थ अंचलों के युवक-युवतियों ने पंजीयन कराए हैं।

पोरवाल समाज अध्यक्ष शिव फरक्या, सचिव श्री रामगोपाल महाजन, परिचय सम्मेलन संयोजक श्री रमेशचंद्र सेठिया ने बताया कि परिचय सम्मेलन का उद्देश्य है कि विवाह योग्य युवक-युवतियों के रिश्ते जुड़े एवं परिणय तक पहुंचे। पोरवाल समाज का एक विशाल महाकुंभ युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन निरंतर मंदसौर में आयोजित किया जा रहा है। मंदसौर में आयोजित होने वाले परिचय सम्मेलन ने देशभर में विशेष पहचान कायम की है।

परिणय सेतु बहुरंगीय पुस्तिका का हुआ प्रकाशन- मीडिया प्रभारी दिलीप सेठिया ने बताया कि युवक-युवती परिचय सम्मेलन के अवसर पर परिणयसेतु बहुरंगीयपुस्तिकाका भी प्रकाशन किया गया है। इसमे युवक-युवतियों के चित्र सहित उनसे जुडी जानकारी को संकलित किया गया। यह पुस्तिका परिचय सम्मेलन के पूर्व युवक-युवतियों को पहुंचाई जा चुकी है। जिससे वह अपने लिये योग्य युवक या युवती का चयन कर सम्मेलन में उनसे व उनके अभिभावकों से परिचय प्राप्त कर प्रक्रिया आगे बढाएंगे।

43 कक्षों में 201 महिलाएं करायेगी आपसी सामंजस्य- मीडिया प्रभारी जितेश फरक्या ने बताया कि सम्मेलन में प्रत्याशियों हेतु क्षेत्रवार 43 कक्ष बनाये गये है। जिसमें महिला मण्डल अध्यक्ष कुसुम सेठिया के मार्गदर्शन में महिला मण्डल की 201 सदस्याओं द्वारा प्रत्याशियों के बीच आपसी सामंजस्य बिठाने का काम किया जाएगा। इस सम्मेलन में क्षेत्रीय पंजीयन प्रभारी भी युवक युवतियों के परिचय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही सम्मेलन में प्रत्याशियों की शत प्रतिशत उपस्थिति के लिये लक्की ड्रा भी रखा गया है। सभी क्षेत्रों के प्रत्याशियों को आमंत्रण सह परिचय पुस्तिका एवं प्रवेशिका भेजी गयी है। बिना प्रवेशिका के सम्मेलन में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

विभिन्न समितियों का हुआ गठन- मीडिया प्रभारी घनश्याम पोरवाल ने बताया कि परिचय सम्मेलन में विभिन्न समितियां बनाई गई। जिनके प्रभारी भी नियुक्त किये गये। समितियों में मार्गदर्शन मण्डल, भोजन निर्माण समिति, टेंट व्यवस्था समिति, मेल-मिलाप समिति, स्वागत सत्कार समिति, दो पंजीयन समिति, चिकित्सा सहायता समिति, दो व्यवस्था एवं देखरेख समिति, कम्प्यूटर पंडित व्यवस्था समिति, 5 भोजन समिति, जल समिति व मंच व्यवस्था समिति बनाकर दायित्व सौंपे गये।

राजस्थान राज्य की सीमा से लगे गांव में 23 से 25 नवंबर तक शराब ब्रिकी पर प्रतिबंध

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने बताया गया कि राजस्थान राज्य में विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान 3 किलो मीटर की परिधि में (23 नवंबर को सायं 6 बजे से 25 नवंबर 2023 को मतदान समाप्ति तक) शुष्क दिवस घोषित किया है। शुष्क दिवस अवधि के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा।

3 दिसम्बर को रहेगा शुष्क दिवस- विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत मतगणना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने 3 दिसम्बर 2023 को संपूर्ण दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित किया है। शुष्क दिवस अवधि के दौरान जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें, मदिरा गोदाम, रेस्टोरेंट बार (एफ. एल.-2), पर्यटन बार (एफ.एल.-2-कक) होटल बार (एफ. एल -3), वाईन आउटलेट एवं देशी मदिरा स्टोरेज भंडागार को पूर्णत: बंद रखा जाकार क्रय- विक्रय प्रतिबंधित किया जाता है।

हॉकी खिलाड़ी अक्षय, राकेश व लक्ष्य का सीनियर राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता के लिए चयन

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। 17 से 27 नवंबर 2023 तक चेन्नई में चल रही हॉकी इंडिया की सीनियर राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता मैं मंदसौर के अक्षय दुबे, राकेश दहिया, व लक्ष्य रायकवार मध्य प्रदेश हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यह जानकारी हॉकी मंदसौर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया और सचिव अविनाश उपाध्याय ने दि उन्होंने बताया कि यह सभी खिलाडी मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर के नियमित सदस्य रहे हैं। व यहीं से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता भाग लिया राकेश दहिया कि हॉकी की शुरुआत उत्कृष्टग्राउंड से हुई यहीं से राष्ट्रीय तक की प्रतियोगिताओं में भाग लिया बाद में जूनियर इंडिया कैंप तक पहुंचे अभी राकेश भारतीय सेना इएक्रपुणे में सेवारत है अक्षय दुबे के खेल की शुरुआत कक्षा 6टी से हुई यहीं से राष्ट्रीय स्तर तक खेले इसके बाद स्कूल इंडिया से खेलने ऑस्ट्रेलिया एडिलेड गए अभी अक्षय NCOE लखनऊ में है।, लक्ष्य रायकवार की हॉकी की शुरुआत कक्षा 6टी से हुई यहीं से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया व बाद में भारत के प्रसिद्ध संस्था एल,एन,आई,पी,इ, से ग्रेजुएशन किया और अभी सिंधिया स्कूल में खेल डिपार्टमेंट में कार्यरत है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विनोद जी गर्ग, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवडा, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, खेलो इंडिया एन,आई,एस ,कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, ओमप्रकाश गुर्जर, मंगल बैरागी, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, जिला शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज्जाक, सीनियर खिलाडी अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवडा, अजय सिंह गौड, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, आदि ने बधाई दी उज्वल भविष्य की कामना की। उक्त जानकारी हॉकी फीडर सेंटर के जनसंपर्क अधिकारी जितेंद्र कनौजिया ने दी।

महाआरती व विशाल भंडारे का आयोजन आज

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 19 नवंबर 2023 रविवार को सहकारी बाजार रोड अंबे माता मंदिर पर महा आरती का आयोजन होगा। जय माता दी ग्रुप के द्वारा प्रात: 11:00 बजे अंबे माता मंदिर गोवर्धननाथ कांप्लेक्स पर महा आरती के पश्चात् कन्या पूजन व विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। सभी भक्तों से जय माता दी ग्रुप के सदस्यों ने अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर 11:00 बजे महाआरती एवं महाप्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ लेवे।

कृषि दुकान को सील करने की कार्रवाई का जोकचन्द्र ने किया विरोध

पिपलियामंडी, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गांव झारडा में कृषि दवपई व खाद बीज व्यापारी दीपक चौहान की फर्म विशाल कृषि सेवा केंद्र पर कृषि विभाग की टीम दुकान सील करने पहुंची तो विवाद की स्थिति बन गई। दुकान संचालक व कृषि विभाग के अधिकारी आमने-सामने हो गए। सूचना पर विधानसभा चुनाव लडे, किसान नेता श्यामलाल जोकचंद भी समर्थकों के साथ झारडा पहुँचे, कार्रवाई का विरोध किया व कृषि विभाग के अधिकारियों से काफी बहस की। विरोध के बाद कार्रवाई को स्थगित करना पडा।

जनसंपर्क विभाग के बेहतरीन कव्हरेज एवं पत्रकारों के सहयोग से मतदान 2.01 प्रतिशत बढ़ा

स्वीप व सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार प्रसार का रहा महत्वपूर्ण योगदान

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 23 के लिए लगातार कुछ समय से स्वीप की गतिविधियां आयोजित की गई। यह गतिविधियां न सिर्फ शहरों में बल्कि गांव - गांव एवं गली - गली में आयोजित की गई। सोशल मीडिया के माध्यम से facebook, twitter d facebook पेज के माध्यम से मतदाता जागरुकता गतिविधियों का प्रचार-प्रसार किया गया। इसका प्रभाव शहरों तक न होकर बल्कि गांव - गांव तक प्रभाव पडा। जिसका परिणाम मतदान दिवस के दिन देखने को मिला। इन गतिविधि के माध्यम से प्रत्येक घर में मतदान को लेकर जागरूकता उत्पन्न हुई। इस मतदाता जागरूकता में युवाओं ने अधिकांश बढ-चढकर भाग लिया, वहीं दूसरी तरफ ऐसे मतदाता जो मतदान करने में रुचि नहीं लेते थे। ऐसे मतदाताओं ने इस चुनाव में मतदान करने के लिए विशेष रूचि दिखाई साथ ही उन्होंने अपने पडोसियों, परिवार व रिश्तेदारों को भी मतदान के लिए प्रेरित किया। इन गतिविधियों के अंतर्गत जिले के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों में पिंक रेलिया, साइकिल रैली व दिव्यांग जागरूकता कार्यक्रम आदि तरह - तरह के कार्यक्रम किए गए। जिसका जनसंपर्क विभाग द्वारा बेहतरीन कव्हरेज किया गया। इसी का परिणाम है कि निर्वाचन 2023 का प्रतिशत 83.28% रहा। जबकी विधानसभा निर्वाचन 2018 का प्रतिशत 81.27 रहा था। इस तरह 2018 की तुलना में 2020 का मतदान प्रतिशत 2.01% ज्यादा रहा।

श्याम बाबा का एक निशान नीमच नरेश के नाम 21 को

नीमच, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री श्याम के तत्वावधान में 4 दिवसीय श्री श्याम जन्मोत्सव नीमच नरेश के दरबार में मनाया जाएगा। जिसके तहत प्रथम दिवस जन्मोत्सव के आगाज में रींगस से खाटू की जैसे श्एक निशान नीमच नरेश के नामश् कार्यक्रम 21 नवम्बर को होगा। इस अवसर पर एक यात्रा बालाजी मंदिर नयागांव से शुरू होकर तिलक मार्ग स्थित नीमच नरेश के दरबार में हजारों प्रेमियों के साथ नगर भ्रमण करते हुए पहुंचेगी। वही यात्रा में भाग लेने के लिए अभी से ही अनेकों प्रेमियों ने निशान पंजीयन कराना शुरू कर दिया है। दूसरे दिन 22 नवंबर को रात्रि 10 बजे से मंदिर में श्याम प्रेमियों के साथ बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य आतिशबाजी की जाएगी। तीसरे दिन 23 नवंबर देवउठनी एकादशी पर मंदिर परिसर में बाबा का बहुत ही प्यारा शाही जन्मोत्सव श्रृंगार किया जाएगा। पूरे मंदिर परिसर में दिल्ली के कारीगरों द्वारा बहुत ही सुंदर फूलों का महल बनाया जाएगा। महाआरती के बाद बाबा का भव्य ताली कीर्तन साजिन्दों सहित किया जाएगा। अंतिम चैथे दिन 24 नवम्बर को प्रात: आरती के बाद मंदिर परिसर में बाबा की पावन ज्योत ली जाएगी।

[एआई पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने जताई चिंता, बोले...]

दुरुपयोग के खिलाफ देनी होगी सुरक्षा

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद अब एआई को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड ने भी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि एआइ की तकनीक यहां भी रहेगी। हमें उसके साथ रहना सीखना होगा। उन्होंने फेक न्यूज पर के कारण मीडिया की कम होती विश्वनीयता पर भी चिंता जताई।

मीडिया सत्य पर ही डटा रहे- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड राष्ट्रीय प्रेस दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने इस दौरान कहा कि मीडिया का केवल सत्य ही दिखाना नैतिक दायित्व है। मीडिया से जुडा हुए हर पत्रकार को केवल सत्य के ही रास्ते पर चलना चाहिए। सत्य दिखाना और उस पर डटे रहना ही मीडिया की विश्वनीयता को बनाए रखेगा।

एआई के दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा भी देनी होगी- धनखड ने कहा कि एआइ में बहुत नुकसान करने की ताकत है, लेकिन यह भी सत्य है कि हमें अब इसी के साथ रहना है क्योंकि यह तकनीक यहीं पर ही रहेगी। एआइ से होने वाले दुरुपयोग के खिलाफ हमें सुरक्षा देनी ही होगी।

पार्वती आर्य की द्वितीय पुण्य तिथि मनाई

मंदसौर, 18 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले और इस अंचल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाली एशिया की प्रथम ट्रक ड्राइवर होने होने की महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त कांग्रेस की वरिष्ठनेत्री सुश्री पार्वती आर्य की द्वितीय पुण्यतिथि निराश्रित बाल गृह अपना घर में मनाई गई।

इस अवसर पर पार्वती आर्य के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन भी अर्पित किए गए।बच्चों को भोजन कराया गया फल वितरित किए। अपना घर के संस्थापक अध्यक्ष राव विजय सिंहआर्य परिवार के सर्व श्री महेश आर्य श्रीमती सुमित्रा आर्य, अनुराग, अनूप अभिषेक सुमित आर्य तथा श्रीमती राधा आर्य भी उपस्थित थे।

Name Change Notice

It is informed to the general public that earlier my name was Heera lal, now I have changed my name to Heeralal Chauhan, Hence from today onwards I should be known and recognised by the new name Heeralal Chauhan.

Heeralal Chauhan S/O Mohanlal Chauhan
Mayur Colony, Sanjeet Naka, Mandsaur (M.P.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in